



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 523]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 17, 1980/कार्तिक 26, 1902

No. 523] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 17, 1980/KARTIKA 26, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1980

क्र० धा० 895 (अ)—अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1971 (1971 का 43) की धारा 12 की उपधारा (1) के खंड (ग) के साथ पठनीय धारा 36 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एमवूद्वारा केन्द्रीय सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण को प्रदान की गयी पूंजी की शर्तों का निर्धारण करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ:—(1) इन नियमों को अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (प्रारंभिक पूंजी की शर्तें) नियम, 1980 कहा जाएगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. सरकारी पूंजी की सीमा:—दिनांक 17 मार्च 1980 की अधिसूचना सं० का० धा० 906 द्वारा घोषित किया गया 18 करोड़ रुपये का अनावर्तनीय पूंजीगत व्यय केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकरण की प्रदान की गयी पूंजी होगी।

3. प्रारंभिक पूंजी का स्वरूपविभाजन:—नियम 2 में विनिर्दिष्ट सरकारी पूंजी के 50 प्रतिशत भाग को इक्विटी पूंजी समझा जाएगा तथा शेष 50 प्रतिशत को ऋण पूंजी।

4. ऋण पूंजी की वापस अदायगी:—प्राधिकरण ऋण पूंजी की अदायगी चार बराबर वार्षिक किश्तों में करेगा जो वित्तीय वर्ष 1983-84 से प्रारंभ होंगी तथा वित्तीय वर्ष 1986-87 में समाप्त होंगी।

5. ऋण पूंजी पर व्याज की देयता:—प्राधिकरण को ऋण पूंजी पर 1-4-72 से 7½% वार्षिक की दर से प्रति वर्ष व्याज देना होगा।

6. व्याज की अदायगी की विधि:—31-3-80 तक संचित हुए व्याज की अदायगी वित्तीय वर्ष 1980-81 से 1984-85 तक के दौरान पांच बराबर वार्षिक किश्तों में की जाएगी और 1-4-80 से प्रारंभ हुई अवधि के व्याज की अदायगी वित्तीय वर्ष 1980-81 के प्रारंभ होने से लेकर ऋण की सात किश्तों में पूर्ण रूप से वापस अदायगी होने तक बकाया ऋण पूंजी पर प्रति वर्ष की जाएगी।

7. विलम्ब के लिए दंड:—मूल अथवा व्याज की किसी भी किश्त की वापस अदायगी करने में किसी छूट अथवा विलम्ब के लिए प्राधिकरण से सामान्य दर से 1% अधिक दंडात्मक व्याज वसूल किया जाएगा।

8. रियायतें:—केन्द्रीय सरकार प्राधिकरण की वित्तीय स्थिति ध्यान में रखते हुए, ऋण पूंजी की वापस अदायगी में ऐसी मोहलत अथवा इस संबंध में ऐसी रियायतें प्रदान कर सकती है जो वह आवश्यक समझे।

[सं० ए०बी० 24011/25/73-ए०ए०]

चन्द्रमणि कटुबेदी, संयुक्त सचिव।

## MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

## NOTIFICATION

New Delhi, the 17th November, 1980

S.O. 895(E).—In exercise of the powers conferred by Section 36 read with clause (c) of Sub-Section (1) of Section 12 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971), the Central Government hereby makes the following rules, determining the terms and conditions of the capital provided by the Central Government to the International Airports Authority, namely :—

1. Short title and Commencement.—1. These rules may be called the International Airports Authority (Terms and Conditions of Commencing Capital) Rules, 1980.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Extent of the Government Capital.—The non-recurring capital expenditure of 18 crores of rupees declared by notification No. S.O. 906 dated 17th March, 1980 shall be the capital provided by the Central Government to the Authority.

3. Gearing of the Commencing Capital.—Fifty per cent of the Government capital specified in rule 2 shall be treated as equity capital and the remaining fifty percent as loan capital.

4. Repayment of the Loan Capital.—The Authority shall repay the loan capital in four equal annual instalments commencing from the financial year 1983-84 till the end of the financial year 1986-87.

5. Liability to pay interest on loan capital : The Authority shall be liable to pay interest annually the loan capital with effect from 1-4-72 at the rate of  $7\frac{1}{2}$  per cent per annum.

6. Mode of payment of interest.—The interest accumulated upto 31-3-80 shall be paid in five equal annual instalments during the financial years 1980-81 to 1984-85 and the interest for the period commencing from 1-4-80 shall be paid on the outstanding loan capital annually, commencing from the financial year 1980-81 till the loan is completely repaid in seven instalments.

7. Penalty for delay.—A penal rate of interest 1 per cent above the normal rate shall be chargeable from the Authority for any default or delay in the repayment of any instalment of the principal or interest.

8. Concessions.—The Central Government may, having regard to the financial position of the Authority, grant such moratorium on repayment of the loan capital and such concessions in this regard as it considers necessary.

[No. AV. 24011/25/73-AA]

C. M. CHATURVEDI, Jt. Secy.